

रीख
क्रमा

राजदायरी ए.ए.
हुकम या कार्यवाही मय इनिशियटिव एज
गोविन्दा ५/६ राजदायरी

गवर्नर व तारीख
अहकाम जो हुक
हुकम की तारीख
में जारी हु

वकात तलाशा पेश किया, जो ११/०१/२६ को किया।
पत्रावली वापस पताक/कहस राजदायरी
पार्श्व पत्र दिनांक ११/१/२०२६ को पेश हुआ।

१/२६

आज PO साहब अन्य काम में भीटिंग/
दौरे पर/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से
आजता पेशी दी गई। गत आदेशों की
पालना में दिनांक २३/१/२६ को पेश हुआ।

२३/०१/२६

आज PO साहब अन्य काम में भीटिंग/
दौरे पर/बार द्वारा कार्यस्थगित होने से
आजता पेशी दी गई। गत आदेशों की
पालना में दिनांक ३०/१/२६ को पेश हुआ।

३०/१/२६

पत्रावली पेश हुई। वकील उमय पत्र उपस्थित है।
अर्थात् गण को पत्रावली पेश करने हेतु २०० रु.
की कोस्ट पर अद्यतन किया जाता है। पत्रावली
अर्थात् संख्या उलगा ६०० की ओर से पत्रावली
पेश करने हेतु दिनांक ६/२/२०२६ को पेश हुआ।

६/२/२६

पत्रावली पेश हुई। वकील उमय पत्र उपस्थित
है। कोस्ट बढ़ा ली गई। अर्थात् अधिकतर
ने कहस करने हेतु विवेक किया गया। वकील
उमय पत्र की राजदायरी अर्थात् पत्र पर कहस
सुनी गई। पत्रावली वापस आदेशार्थ दिनांक
२०/२/२०२६ को पेश हुआ।

२०/२/२०२६

पत्रावली पेश हुई। वकील उमय पत्र उपस्थित
है। वकील उमय पत्र की कहस राजदायरी
अर्थात् पत्र पर सुनी गई। पत्रावली गत तारीख
पेशी को वापस आदेशार्थ किया भी गई। अर्थात्
आ राजदायरी अर्थात् पत्र स्वीकार किया
जाना उचित प्रतीत होता है। अतः अर्थात्
आ राजदायरी अर्थात् पत्र स्वीकार किया
जाता है। अतः अर्थात् सुमत् होना नकार
से कम हो तथा फलतः मूल वाद के हमलिया
होए।

उपखण्ड अधिकारी
रीयल